HARIHARAN BAJARANG BAAN LYRICS

हरिहरन द्वारा गाए गए “बजरंग बाण” के बोल

~ बजरंग बाण ~

॥ दोहा ॥

निश्चय प्रेम प्रतीति ते, विनय करें सनमान ।
तेहि के कारज सकल शुभ, सिद्ध करें हनुमान ॥

॥ चौपाई ॥

जय हनुमंत संत हितकारी,
सुन लीजै प्रभु विनय हमारी ।
जन के काज विलंब न कीजै,
आतुर दौरि महा सुख दीजै ।।

जैसे कूदि सिंधु के पारा,
सुरसा बदन पैठि बिस्तारा ।
आगे जाय लंकिनी रोका,
मारेहु लात गयी सुरलोका ।।

जाय विभीषन को सुख दीन्हा,
सीता निरखि परमपद लीन्हा ।
बाग उजारि सिंधु महँ बोरा,
अति आतुर जमकातर तोरा ।।

अक्षय कुमार मारि संहारा,
लूम लपेटि लंक को जारा ।
लाह समान लंक जरि गयी,
जय जय धुनि सुरपुर नभ भयि ।।

अब बिलंब केहि कारन स्वामी,
कृपा करहु उर अंतरयामी ।
जय जय लखन प्राण के दाता,
आतुर है दुःख करहु निपाता ।।

जय हनुमान जयति बलसागर,
सुर समूह समरथ भटनागर ।
ॐ हनु हनु हनु हनुमंत हठीले,
बैरिहि मारु बज्र की कीले ।।

ॐ हीं हीं हीं हनुमंत कपीसा,
ॐ हुं हुं हुं हनु अरि उर सीसा ।
जय अंजनि कुमार बलवंता,
शंकर सुवन वीर हनुमंता ।।

बदन कराल काल कुल घालक,
राम सहाय सदा प्रतिपालक ।
भूत प्रेत पिसाच निसाचर,
अगिनि बेताल काल मारी मर ।।

इन्हैं मारु तोहि सपथ राम की,
राखु नाथ मरजाद नाम की ।
सत्य होहु हरि सपथ पायि कै,
राम दूत धरु मारु धायि कै ।।

जय जय जय हनुमंत अगाधा,
दुःख पावत जन केहि अपराधा ।
पूजा जप तप नेम अचारा,
नहिँ जानत कछु दास तुम्हारा ।।

बन उपबन मग गिरि गृह माहीँ,
तुम्हरे बल हम डरपत नाहीँ ।
जनकसुता हरि दास कहावौ,
ताकी सपथ विलंब न लावौ ।।

जय जय जय धुनि होत अकासा,
सुमिरत होय दुसह दुख नासा ।
चरन पकरि कर जोरि मनावौँ,
यहि औसर अब केहि गोहरावौँ ।।

उठु उठु चलु तोहि राम दुहायी,
पायँ परौं कर जोरि मनायी ।
ॐ चं चं चं चं चपल चलंता,
ॐ हनु हनु हनु हनु हनु हनुमंता ।।

ॐ हं हं हाँक देत कपि चंचल,
ॐ सं सं सहमि पराने खल दल ।
अपने जन को तुरत उबारौ,
सुमिरत होय आनंद हमारौ ।।

यह बजरंग बाण जेहि मारै,
ताहि कहौ फिरि कवन उबारै ।
पाठ करै बजरंग बाण की,
हनुमत रक्षा करै प्रान की ।।

यह बजरंग बाण जो जापै,
तासों भूत प्रेत सब कांपै ।
धूप देय जो जपै हमेसा,
ताके तन नहिं रहै कलेसा ।।

॥ दोहा ॥

उर प्रतीति दृढ सरन है, पाठ करै धरि ध्यान ।
बाधा सब हर करैं, सब काम सफल हनुमान ।।

अन्य बजरंग बाण पीडीएफ डाउनलोड के लिए कृपया वेबसाइट पर जाएँ
https://bajrangbaanpdf.in/